**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## नीति आयोग के डा. राजीव कुमार ने युवा 2021 संगोष्ठी को किया संबोधित

पंतनगर। 12 जनवरी 2021। विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द जी के जन्म दिवस के अवसर पर विवेकानन्द स्वाध्याय मण्डल द्वारा दो-दिवसीय राष्ट्रीय युवा संगोष्ठी 'युवा 2021' का आयोजन यूनिवर्सिटी सेंटर में किया गया। विगत् 15 वर्षों के सफल आयोजन के बाद इस वर्ष कोरोना महामारी के चलते राष्ट्रीय युवा संगोष्ठी के 16वें संस्करण का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से हुआ। इसमें देश के 100 से अधिक विश्वविद्यालयों के 600 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप द्वारा द्वीप प्रज्वलन एवं स्वामी विवेकानन्द जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नीति आयोग के उपाध्यक्ष, डा. राजीव कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि किसानों की आय बढाने के साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रयोग आवश्यकताओं को पूरा करके ही आत्मनिर्भरता का स्वप्न साकार किया जा सकता है। उन्होंने कृषि क्षेत्र की चुनौतियां पर जोर डालते हुए कृषि क्षेत्र में निर्यात को 20 से 30 प्रतिशत बढाने के साथ-साथ प्राकृतिक कृषि की बात कही। डा. कुमार ने आह्वाहन किया कि यदि आत्मनिर्भरता को जन-आन्दोलन के रूप में स्वीकार किया जाये तो ही 2027 तक भारत को विश्वपटल पर अग्रणि स्थिति में लाया जा सकेगा।

कुलपति, डा. तेज प्रताप ने ज्ञान और विज्ञान से समृद्ध संस्कृति और सभ्यता को पुनर्जीवित करने और विवेकानन्द जी के आध्यात्म को अपना पथ प्रदर्शक बनने की बात पर जोर दिया। उन्होंने डा. राजीव कुमार के प्राकृतिक कृषि की चुनौतियों की बात से सहमत होते हुए इस विषय की सम्भावनाओं पर चर्चा की। उत्तराखंड राज्यपाल एवं कुलाधिपति विश्वविद्यालय, श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने वीडियो संदेश के माध्यम से संगोष्ठी के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाऐं दी और स्थानीय उत्पादनों को बढावा देकर आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को सफल बनाने की बात भी कही।

अधिष्ठाता कृषि, डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने युवा सशक्तिकरण हेतु वर्षों से आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम की भूमिका स्पष्ट की और स्वामी जी के विचारों को अपने जीवन में चरितार्थ करने की बात कही। उत्तर प्रांत संगठक, विवेकानन्द केन्द्र, नई दिल्ली के श्री सभट्टाचार्जी ने स्वामी विवेकानन्द के योगदान और सिद्धांतों का स्मरण करते हुए कहा कि अगर आप चाहते हैं कि आप विवेकानन्द जी को समझ पाऐं तो उनका अध्ययन करने का सबसे अच्छा तरीका है कि उनके बारे में अध्ययन करें और अतीत एवं वर्तमान को जोडकर स्वामीजी के सिद्धांतों को पढ़ें और जिऐं। उन्होंने जीवन को भारत भूमि की सेवा में समर्पित करने की बात भी कही। स्वामी नरसिंहानन्द, राम कृष्ण मिशन, ने भाषा आत्मनिर्भरता पर बात करते हुए अपनी मातृ भाषा के अधिक से अधिक प्रयोग पर बल दिया और 'अप्पदीपोभव' अर्थात अपना प्रकाश स्वयं बनो सूक्त को अपने व्यक्ति में प्रतिबिम्बित करने की बात कही।

इससे पूर्व, कार्यक्रम समन्वयक राहुल बोहरा और जानवी कोचर ने ऑनलाइन माध्यम से जुडे सभी गणमान्यजनों का स्वागत किया एवं संगोष्ठी की प्रसंगिकता पर प्रकाश डाला। युवाओं के सर्वश्रेष्ठ १०० शोध पत्रों से निर्मित पुस्तक का विमोचन भी उपस्थित अतिथियों द्वारा किया गया जिसका विषय 'आत्मनिर्भर भारत को प्राप्त करने में युवाओं की भूमिका : आत्म-निर्भरता की भारतीय भावना को पुनर्जीवित करना है' था। कार्यक्रम के अंत में अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, डा. ब्रिजेश सिंह ने विश्वविद्यालय परिवार की ओर से सभी मुख्य अथितियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अगले सत्र में श्रीमती जयंती प्रधान कृषि-उद्यमी एवं नीति आयोग वीमेन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया 2019 पुरस्कार प्राप्तकर्ता; श्री साकेत कुमार, संस्थापक, वाटर-बाटरबैंक और श्री ब्रिजेश सिंह, कृषि-उद्यमी, बिहार ने कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के पहलुओं पर युवाओं से चर्चा की। इस अवसर डा. एस. के. गुरू, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी युनिवर्सिटी सेन्टर में उपस्थित थे। कार्यक्रम के अगले दिवसों में ऑनलाइन माध्यम से शोध पत्र, पोस्टर प्रस्तुतिकरण और वाद-विवाद प्रतियोगिता हेतु अपने विचार उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के सम्मुख रखेंगे।

*युवा 2021 सम्मेलन में विचार व्यक्त करते कुलपति, डा. तेज प्रताप।*